CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 10 (2019-20)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   शिवाजी का नाम प्रत्येक भारतीय जानता है। इनको महान बनाने का श्रेय समर्थ गुरु रामदास को है। समर्थ गुरु रामदास का जन्म सन् 1608 ई. में एक छोटे से ग्राम में हुआ था। इनकी माता का नाम राणुबाई था और इनके पिता का नाम सूर्याजी पंत था। इनका बचपन का नाम नारायण था। प्रारम्भ से ही ये विवाह नहीं करना चाहते थे। विवाह मंडप से ही ये भाग गए थे।

   घर छोड़कर नासिक में एक गुफा में रहकर तप करने लगे। एक पटवारी की स्त्री को आशीर्वाद देकर उसके पति को जिंदा कर देने की घटना से उनका यश चारों ओर फैल गया।

   बाद में शिवाजी ने इन्हें अपना गुरु बनाया। शिवाजी समस्त कार्य उनकी आज्ञा से करते थे। शिवाजी ने एक बार भीख माँगने पर सारा राज्य इनको दे दिया। बाद में गुरु के कहने पर मंत्री के रूप में राज्य का कार्य करने लगे। इनमें अनेक आश्चर्य में डालने वाली शक्तियाँ थीं। इन्होंने शिवाजी की वीरता की परीक्षा शेरनी का दूध मँगाकर की थी। शिवाजी के साथ गुरु रामदास का नाम हमेशा लिया जाता है।

   i. समर्थ गुरु रामदास का जन्म कब और कहाँ हुआ था? (2)
   ii. किस घटना से गुरु रामदास का यश चारों ओर फैल गया? (2)
   iii. गुरु रामदास के माता-पिता का क्या नाम था? (2)

iv. गुरु रामदास ने शिवाजी की परीक्षा कैसे ली? (2)
v. शिवाजी को महान बनाने का श्रेय किस गुरु का था? (1)
vi. गुरु रामदास के बचपन का क्या नाम था? (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. झन्झट
   ii. मयन्क
   iii. सून्ड
   iv. अन्धेरा

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. सुचारु
   ii. दुर्भाग्य
   iii. अभिजात

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

   i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. बुढ़िया से खरबूजे खरीदने में लोगों को क्या डर सता रहा था?

   b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

   c. गाँधी जी से 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना क्यों की गयी थी?

   d. पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की क्या विशेषता है?

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. रहीम ने प्रेम के सम्बन्ध में किसका उदाहरण दिया है? प्रेम और धागे में क्या समानता है?

    b. आदमीनामा कविता में कवि का मुख्य उद्देश्य क्या है?

    c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

    d. 'पीपल के पत्ते से नए-नए हाथ' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? खुशबू रचते हैं हाथ कविता के आधार पर लिखिए।

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

    a. गिल्लू पाठ के आधार पर बताइए कि कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

b. हामिद को लेखक की किस बात पर यकीन नहीं हो पा रहा था और क्यों?

c. जज को पटेल की सजा के लिए आठ पंक्तियों का फैसला लिखने में डेढ़ घण्टा क्यों लगा? 'दिए जल उठे' पाठ के आधार पर लिखिए।

Section D

13. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

    - ट्रैफिक की समस्या का आधार
    - लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
    - सुधार उपाय

OR

यात्रा जिसे मैं भूल नहीं पाता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

    - कहाँ की यात्रा?
    - विशेष घटना का वर्णन
    - अविस्मरणीय कैसे

14. आपके पिताजी का तबादला दूसरे शहर में हो गया है। आप अपने मित्र को नए शहर की सुन्दरता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।

OR

अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

OR

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. आपको राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक अटैची मिली है। उसके मालिक तक पहुंचाने के लिए 25-50 शब्दो में एक विज्ञापन तैयार कीजिये।

CBSE Class 09

Hindi B

Sample Paper 10 (2019-20)

Solution

Section A

1. i. समर्थ गुरु रामदास का जन्म 1608 ई. में एक छोटे से ग्राम में हुआ था।
   ii. एक पटवारी की स्त्री को आशीर्वाद देकर उसके पति को जिंदा कर देने की घटना से गुरु रामदास का यश चारों ओर फैल गया।
   iii. गुरु रामदास के पिता का नाम सूर्याजी पंत और माता का नाम राणुबाई था।
   iv. गुरु रामदास ने शिवाजी से शेरनी का दूध मँगाकर उनकी वीरता की परीक्षा ली।
   v. गुरु रामदास।
   vi. गुरु रामदास के बचपन का नाम नारायण था

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. झंझट
   ii. मयंक
   iii. सूँड
   iv. अँधेरा

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. सु + चारु
   ii. दुर् + भाग्य
   iii. अभि + जात
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. बुढ़िया अपने जवान बेटे की मृत्यु के दूसरे दिन ही खरबूजे बेचने बाजार में बैठी थी। उसके घर में सूतक था। यह बात लोगों को पता थी। बुढ़िया से खरबूजे खरीदने पर लोगों को यह डर सता रहा था कि उन्हें पातक लग जाएगा और उनका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा।

   b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

   c. गाँधी जी को 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना इसलिए की थी, क्योंकि हानीमैन को देश-निकाला देने के बाद साप्ताहिक के लिए लिखने वालों की कमी रहने लगी थी। गाँधी जी भी अंग्रेजों के विरुद्ध लिखना चाहते थे। इसलिए उन्होंने इस प्रार्थना को स्वीकार कर लिया।

   d. पहाड़ लुप्त कर देने वाला कीचड़ खम्भात की खाड़ी में पाया जाता है। इस कीचड़ की यह विशेषता है कि मही नदी के मुख से आगे जहाँ तक नज़र जाएगी वहाँ तक सर्वत्र कीचड़-ही-कीचड़ दिखाई देता है।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. प्रेम के संबंध में रहीम ने धागे का उदाहरण दिया है। प्रेम धागे के समान कोमल और अखण्ड होता है। जिस प्रकार धागा यदि एक बार टूट गया तो फिर जुड़ नहीं पाता और यदि जोड़ भी दिया जाये तो उसमें गाँठ पड़ जाती है वैसा ही प्रेम संबंध है। इसलिए प्रेम रूपी धागा कभी तोड़ना नहीं चाहिए।

    b. कवि के मुख्य उद्देश्य निम्न है-

i. आदमी को उसकी अच्छाइयों, बुराइयों, सीमाओं व सम्भावनाओं से परिचित करवाना।
ii. आदमी को उसकी स्वाभाविक विविधता से परिचित करवाना।
iii. आदमी को उसकी असलियत का आईना दिखाना।

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

d. कवि उन बच्चों के बारे में कहना चाहता है जिनके हाथ पीपल के नए-नए पत्तों की तरह कोमल होते हैं तथा अगरबत्ती बनाते-बनाते उनके हाथों की कोमलता एवं सुगन्ध गायब हो जाती है।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. कौए को समादरित और अनादरित प्राणी इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह एक विचित्र प्राणी है। कभी इसका आदर किया जाता है, तो कभी इसका निरादर किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में लोग कौए को आदर सहित बुलाते हैं। पितृपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए हमारे पूर्वजों को कौआ बनकर ही प्रकट होना पड़ता है-ऐसी मान्यता है। यह अतिथि के आने का भी संदेश देता है। इन बातों के कारण यह समादरित है लेकिन यही कौआ जब अपनी कर्कश आवाज में काँव-काँव करता है एवं गंदगी ख़ाता है, तो यह अनादरित हो जाता है।

b. हामिद ने पूछा कि एक हिन्दू मुसलमानी होटल में क्या खाना खाएँगे। इस पर लेखक ने कहा कि हमारे यहाँ अगर बढ़िया चाय पीनी हो या बढ़िया पुलाव खाना हो तो लोग बेखटके मुसलमानी होटल में जाया करते हैं। इस बात पर हामिद को यकीन नहीं हो पा रहा था।

c. बल्लभभाई पटेल को निषेधाज्ञा के उल्लंघन के अपराध में गिरफ्तार किया गया । बोरसद की अदालत में लाया गया जहाँ उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया। जज के समक्ष यह समस्या थी कि वह उन्हें किस धारा के तहत और कितनी सजा दे। इस कारण उसे पटेल की सजा के लिए आठ लाइन के फैसले को लिखने में डेढ़ घण्टा लगा।

Section D

13. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।
लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।
सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

OR

कहाँ की यात्रा? - मैंने अलग-अलग साधनों से अपने जीवन में कई यात्रा की हैं। मैं रमेश चौहान एक गाँव का रहने वाला हूँ जो आगरा जिले में आता है। मैं अपनी परीक्षा देने के लिए नागपुर जा रहा हूँ। मैं अब आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में खड़ा था तभी थोड़ी देर में ट्रेन आ गयी और मैं अपना बैग लेकर उसमें चढ़ गया।
विशेष घटना का वर्णन- मैं अभी तक अकेला ही था लेकिन तभी अचानक एक लड़का मेरी तरफ दौड़ा, जिसका नाम अमन था और मुझसे कुछ कहने की कोशिश करने लगा लेकिन वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि कुछ भी नहीं बोल पा रहा था। मैंने उसे तसल्ली दी और उससे उसके विषय में पूछा तो वह बोला कि वह भी महाराष्ट्र जा रहा है लेकिन उसकी सीट कन्फर्म नहीं है। मैंने उसे धैर्य बंधाते हुए अपनी सीट पर बैठा लिया।
अविस्मरणीय कैसे- अब वह शांत व प्रसन्न नजर आ रहा था। फिर धीरे-धीरे हम दोनों में बातचीत शुरू हो गयी और कुछ देर में ऐसा महसूस हुआ कि हम दोनों एक-दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानते हैं। रेल तेजी से गन्तव्य की ओर चली जा रही थी। हम दोनों ने एक साथ भोजन किया। हवा तेज थी, जब हम नागपुर से कुछ दूर ही थे तभी हमें संतरों के दूर-दूर फैले हुए बाग दिखने लगे। संतरों की खुशबू से वातावरण महक रहा था। तभी नागपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रेल रुकी और मैं अमन जो अब तक मेरा दोस्त बन चुका था, को अलविदा कह कर रेल से उतर गया। एक अजनबी की मदद व अमन के व्यवहार से मेरा मन प्रसन्न था। अतः हमें जब कभी दूसरों की सहायता करने का अवसर मिले तो हमें अपने कर्तव्य का निर्वाह अवश्य करना चाहिए।

14. P-276, पालम,

नई दिल्ली-77,
दिनांक .....।
प्रिय मित्र गोविन्द
सप्रेम नमस्ते,
कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।

तुम्हारा प्रिय मित्र
मोहित

OR

बसंत छात्रावास
राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
प्रीत विहार
नई दिल्ली।

परम पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।
आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।
आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।
मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

गोविन्द सिंह

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

OR

i. यह गाँव का दृश्य है।
ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।
दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।
पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

आवश्यक सूचना

दिल्ली जाने वाली **मंसूरी एक्सप्रेस** दिनांक 17.1.19 के सभी यात्रियों को सूचित किया जाता है कि यात्रा के दौरान एक अटैची मुझे मिली है। जिस सज्जन की हो पहचान बताकर ले जाएँ।
कृपया पहचान-पत्र और FIR की कॉपी लेकर आएँ। पुलिस जाँच के बाद ही सामान सौंपा जाएगा।
पता : गोविन्द सिंह, 75/5 कोठद्वारा, उत्तराखंड
दूरभाष: - 922856XXXX